# 2022
# सामान्य हिन्दी

**समय : तीन घण्टे 15 मिनट** **पूर्णांक :** 100

**नोट :** प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

**निर्देश :**

(i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है।

(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

## खण्ड – क

1. (क) खड़ी बोली की प्रथम गद्य रचना किसे माना जाता है ? : **[1]**

(i) चंद छंद बरनन की महिमा (ii) कामायनी (iii) प्रिय प्रवास (iv) रामचरितमानस

(ख) 'हिन्दी प्रदीप' पत्रिका के संपादक हैं : **[1]**

(i) प्रताप नारायण मिश्र (ii) बद्रीनारायण चौधरी 'प्रेमघन' (iii) बालकृष्ण भट्ट (iv) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

(ग) बाबू गुलाब राय की आत्मकथा है : **[1]**

(i) कुछ आप बीती कुछ जग बीती (ii) मेरा जीवन प्रवाह (iii) मेरी असफलताएँ (iv) अपनी खबर

(घ) 'अतीत के चलचित्र' किस विधा की रचना है ? : **[1]**

(i) जीवनी (ii) संस्मरण (iii) निबन्ध (iv) कहानी

(ङ) 'जीवन और दर्शन' के रचनाकार हैं : **[1]**

(i) महावीरप्रसाद द्विवेदी (ii) रायकृष्ण दास (iii) डॉ० सम्पूर्णानन्द (iv) रामवृक्ष बेनीपुरी

2. (क) 'हरी घास पर क्षणभर' के रचनाकार हैं : **[1]**

(i) भवानीप्रसाद मिश्र (ii) बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' (iii) 'अज्ञेय' (iv) नागार्जुन

(?) 'हरिऔध' जी की कृति नहीं है : **[1]**

(i) चुभते चौपदे (ii) प्रिय प्रवास (iii) चित्राधार (iv) वैदेही वनवास

(ग) 'साहित्य लहरी' के रचयिता हैं : **[1]**

(i) तुलसीदास (ii) सूरदास (iii) कबीर (iv) आचार्य केशवदास

(घ) 'नौका विहार' कविता किस कृति से अवतरित है ? : **[1]**

(i) 'गुंजन' से (ii) 'वीणा' से (iii) 'पल्लव' से (iv) 'युगान्त' से

(ङ) 'दूसरा सप्तक' के कवि हैं : **[1]**

(i) रामबिलास शर्मा (ii) गिरिजा कुमार माथुर (iii) केदारनाथ सिंह (iv) भवानीप्रसाद मिश्र

3. दिए गए गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : **[5 × 2 = 10]**

मैं यह नहीं मानता कि समृद्धि और अध्यात्म एक दूसरे के विरोधी हैं। या भौतिक वस्तुओं की इच्छा रखना कोई गलत सोच है। उदाहरण के तौर पर मैं खुद न्यूनतम वस्तुओं का भोग करते हुए जीवन बिता रहा हूँ, लेकिन मैं सर्वत्र समृद्धि की कदर करता हूँ, क्योंकि यह अपने साथ सुरक्षा तथा विश्वास लाती है, जो अंततः हमारी आजादी को बनाये रखने में सहायक है। आप आस-पास देखेंगे तो पायेंगे कि खुद प्रकृति भी कोई काम आधे-अधूरे मन से नहीं करती। किसी बगीचे में जाइए, मौसम में आपको फूलों की बहार देखने को मिलेंगी अथवा ऊपर की तरफ ही देखें, यह ब्रह्माण्ड आमके अनन्त तक फैला दिखाई देगा, आपके यकीन से भी परे।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ तथा लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित गद्यांश का आशय स्पष्ट करें।

(iii) भौतिक समृद्धि के महत्व के विषय में लेखक की क्या मान्यता है ?

(iv) लेखक के अनुसार मनुष्य को जीवन में भौतिक एवं आध्यात्मिक वस्तुओं को किस प्रकार स्वीकार करना चाहिए ?

(v) भौतिक समृद्धि अपने साथ क्या लाती है ?

**अथवा**

धरती की कोख में जो अमूल्य निधियाँ भरी हैं जिनके कारण वह वसुन्धरा कहलाती है, उससे कौन परिचित न होना चाहेगा ? लाखों-करोड़ों वर्षों से अनेक प्रकार की धातुओं को पृथ्वी के गर्भ में पोषण मिला है। दिन-रात बहनेवाली नदियों ने पहाड़ों को पीस-पीस कर अगणित प्रकार की मिट्टियों से पृथ्वी की देह को सजाया है। हमारे भावी आर्थिक अभ्युदय के लिए इन सबकी जाँच-पड़ताल अत्यन्त आवश्यक है।

(i) पृथ्वी को वसुन्धरा क्यों कहा जाता है ?

(ii) पृथ्वी की देह को किसने सँवारा है ?

(iii) हमारे आर्थिक अभ्युदय के लिए क्या आवश्यक है ?

(iv) पाठ का शीर्षक एवं लेखक का नाम लिखिए।

(v) पहाड़ों को किसने पीसा है ?

4. निम्नलिखित पद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **[5 × 2 = 10]**

जल पंजर गत अब अरे अधीर अभागे
वे ज्वलित भाव थे स्वयं तुझी में जागे
पर था केवल क्या ज्वलित भाव ही मन में ?
क्या शेष बचा था कुछ न और इस मन में ?
कुछ मूल्य नहीं वात्सल्य-मात्र क्या तेरा ?
पर आज अन्य-सा हुआ वत्स भी मेरा
थूके, मुझ पर त्रैलोक्य भले ही थूके
जो कोई जो कह सके, कहे क्यों चूके ?

(i) उपर्युक्त पद्यांश का शीर्षक एवं कवि का नाम लिखिए।

(ii) उपर्युक्त पद्यांश में किससे किसका संवाद हो रहा है ?

(iii) वे ज्वलित भाव किसमें जगे थे ?

(iv) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(v) पश्चात्ताप की अग्नि में कौन जल रहा है ?

**अथवा**

नील परिधान बीच सुकुमार
खुल रहा मृदुल अधखुला अंग,

खिला हो ज्यों बिजली का फूल
मेघ-बन बीच गुलाबी रंग।
ओह ! वह मुख – पश्चिम का व्योम
बीच जब घिरते हों घनश्याम,
अरुण रवि मण्डल उनको भेद
दिखाई देता हो छविधाम।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के शीर्षक तथा कवि का नामोल्लेख कीजिए।

(ii) रेखांकित पंक्तियों की व्याख्या कीजिए।

(iii) 'मेघ-बन बीच' में कौन-सा अलंकार है ?

(iv) प्रस्तुत पद्यांश में नायिका के मुख की तुलना किस से की गयी है ?

(v) 'छविधाम' शब्द का अर्थ स्पष्ट कीजिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) डॉ० ए०पी०जे० अब्दुल कलाम (ii) डॉ० हजारीप्रसाद द्विवेदी (iii) वासुदेवशरण अग्रवाल

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **[3 + 2 = 5]**

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) सुमित्रानंदन पंत (iii) रामधारी सिंह 'दिनकर'

6. 'पंचलाइट' अथवा 'बहादुर' कहानी का सारांश लिखिए। (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **[5]**

**अथवा**

'ध्रुव-यात्रा' अथवा 'बहादुर' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिए : (अधिकतम शब्द-सीमा 80 शब्द) **[5]**

(i) 'मुक्तियज्ञ' के नायक गाँधी जी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। **अथवा** 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के अनुसार पंचम सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए। **अथवा** 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(iii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के अनुसार हर्षवर्धन का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'त्यागपथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(iv) 'आलोक-वृत्त' के अनुसार महात्मा गाँधी का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'आलोक-वृत्त' खण्डकाव्य के सप्तम सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए।

(v) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के अनुसार दु:शासन का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य का उद्देश्य वर्णित कीजिए।

(vi) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के अनुसार श्रवणकुमार का चरित्र-चित्रण कीजिए। **अथवा** 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'अयोध्या' सर्ग का सारांश लिखिए।

## खण्ड – ख

8. (क) दिए गए संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

महापुरुषा: लौकिक प्रलोभनेषु बद्धा: नियत लक्षयात्र कदापि भ्रश्यन्ति। देशसंस्थानुरक्ताऽयं युवा उच्चन्यायालयस्य परिधौ स्थातु नाशक्नोत्। पण्डित मोतीलाल नेहरू, लाललाजपत राय प्रभृतिभि: अन्यै: राष्ट्रनायकै: सह सोऽपि देशस्य स्वतंत्रतासंग्रामेऽवतीर्ण:। देहल्यां त्रयोविंशतमे कांग्रेसस्याधिवेशनस्य अध्यक्षपदमलंकृतवान्। 'रोलट एक्ट' इत्याख्यस्य विरोधस्य ओजस्विभाषणं श्रुत्वा आंग्लशासका: भीता: जाता:। बहुवारे कारागारे निक्षि??ऽपि अयं वीर: देशसेवाव्रतं नात्यजत।

**अथवा**

हंसमयूरादय: शकुनिगणा: समागत्य एकस्मिन् महति पाषाणतले संन्यपतन। हंसराज: आत्मन: चित्तरुचितं स्वामिकं आगत्य वृणुयात् इति दुहितरमादिदेश। सा शकुनिमध्ये अवलोकयन्ती मणिवर्ण ग्रीवं, चित्रपरेक्षणं मयूर दृष्ट्वा अयं मे स्वामिको भवतु इत्यभाषत्। मयूर: 'अद्यापि तावन्मे बलं न पश्यसि इति अतिगर्वेण लज्जायञ्च त्यक्त्वा तावन्महत: शकुनि संघस्य मध्ये पक्षौ प्रसार्य नर्तितुमारब्धवान्। नृत्यन् च प्रतिच्छन्नो भूतव, सुवर्णराजहंस: लज्जित:, अस्य नैव ही अस्ति, न ब्रह्मणां समुत्थाने लज्जा। नासौ गतप्राययय स्वदुहितरं दास्यामि इत्यकथयत्।

(ख) दिए गए श्लोकों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **[2 + 5 = 7]**

विद्या विवादाय धनं मदाय शक्तिः परेषां परिपीडनाय।
खलस्य साधोः विपरीतमेतज्ज्ञानाय दानाय च रक्षणाय।।

**अथवा**

जयन्ति ते महाभागा जनसेवा परायणाः।
जरामृत्युभयं नास्ति येषां कीर्तितनोः क्वचित्।।

9. निम्नलिखित मुहावरों और लोकोक्तियों में से किसी एक का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) अपने पैरों पर खड़े होना (ii) उल्टी गंगा बहाना (iii) गूलर का फूल होना (iv) मक्खन लगाना

10. (क) निम्नलिखित शब्दों के सन्धि-विच्छेद के सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'चन्द्रोदय' का सही सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) चन्द्री + उदय (ब) चन् + चोदय (स) चन्द्र + उदय (द) चन्द्रीद + य

(ii) 'इत्यादि' का सही सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) इत् + आदि (ब) इत्य + आदि (स) इति + आदि (द) इत् + यदि

(iii) 'भवनम्' का सही सन्धि-विच्छेद है : **[1]**

(अ) भव + नम् (ब) भवि + नम् (स) भो + अनम् (द) भव + अनम्

(ख) दिए गए निम्नलिखित शब्दों की 'विभक्ति' और 'वचन' के अनुसार सही विकल्प का चयन कीजिए :

(i) 'आत्मना' शब्द में विभक्ति और वचन है : **[1]**

(अ) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन (ब) षष्ठी विभक्ति, बहुवचन (स) तृतीया विभक्ति, एकवचन (द) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन

(ii) 'नाम्ने' शब्द में विभक्ति और वचन है : **[1]**

(अ) सप्तमी विभक्ति, एकवचन (ब) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (स) तृतीया विभक्ति, द्विवचन (द) द्वितीया विभक्ति, द्विवचन

11. (क) निम्नलिखित शब्द-युग्मों का सही अर्थ चयन करके लिखिए : **[1]**

(i) जलद – जलज

(अ) जोंक और नदी (ब) बादल और कमल (स) कमल और जल
(द) मोती और पानी

(ii) अवलम्ब – अविलम्ब

(अ) लम्बा और छोटा (ब) सहारा और शीघ्र (स) शीघ्र और देर
(द) छोर और किनारा

(ख) निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो अर्थ लिखिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) अक्षत (ii) द्विज (iii) कर

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक सही 'शब्द' का चयन करके लिखिए :

(i) किये गये उपकार को न माननेवाला : **[1]**

(अ) अपरोपकारी (ब) परोपकारी (स) कृतज्ञ (द) कृतघ्न

(ii) घृणा के योग्य : **[1]**

(अ) घृणित (ब) घृणास्पद (स) घृणी (द) निर्घणी

(घ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए : **[1 + 1 = 2]**

(i) महादेवी वर्मा विद्वान कवियित्री थीं।

(ii) मैं भोजन कर लिया हूँ।

(iii) कृपया मेरे सामानों पर निगाह रखने की कृपा करें।

(iv) तुम मेरे से मत बोलो।

12. (क) 'करुण' रस अथवा 'हास्य' रस का स्थायी भाव के साथ एक उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

(ख) 'उपमा' अलंकार अथवा 'रूपक' अलंकार का लक्षण तथा उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

(ग) 'सोरठा' छन्द अथवा 'कुण्डलिया' छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए। **[1 + 1 = 2]**

13. किसी बैंक के शाखा प्रबन्धक को पुस्तक एवं लेखन सामग्री की दुकान खोलने हेतु ऋण-प्राप्ति के लिए एक आवेदन-पत्र लिखिए। **[6]**

**अथवा**

नगर में अपने मुहल्ले की नालियों को साफ करने के लिए नगर पालिका अध्यक्ष को एक आवेदन-पत्र लिखिए।

14. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर अपनी भाषा-शैली में निबन्ध लिखिए : **[9]**

(i) मेरा प्रिय कवि (ii) नवीन शिक्षा-पद्धति (iii) पर्यावरण-प्रदूषण : कारण और निवारण (iv) विद्यालयों में स्वास्थ्य शिक्षा